ZEE – INVESCO WAR CONTINUES

The Zee – Invesco battle continues to surge with both sides trying to tighten the screws. In a recent development ZEEL MD and CEO Punit Goenka alleged that the merger deal between Reliance Industries' media entities and ZEEL was not in the interest of the company's shareholders. "Why didn't Invesco make its plans public earlier? Does good corporate governance only apply to corporates and not their institutional investors?" he questioned.

Reliance Industries has issued a statement saying that it has been unnecessarily drawn into the boardroom battle between the two companies. The company also said that the merger deal between its media properties and ZEEL could not proceed further due to differences between ZEEL promoters and Invesco.

The company further stated that it had made a broad proposal for merger of its media properties with Zee at fair valuations of Zee and all its properties. "The valuations of Zee and our properties were arrived at based on the same parameters. The proposal sought to harness the strengths of all the merging entities and would have helped to create substantial value for all, including the shareholders of Zee," the statement added.

Shriram Subramanian, Founder and MD at proxy advisory firm InGovern has reportedly said that "Invesco's actions so far in its battle against Zee seem to be a takeover battle under the guise of shareholder activism."

Subramanian reportedly said that "Reliance group entities should have directly approached the Board of Zee with their offer and it is surprising that Invesco has been leading the discussions."

"Invesco's insistence on Punit Goenka's removal sans an alternative plan was baffling to all. This despite Invesco saying in court that they are not against the Zee-Sony deal, the terms of which were in the public domain," he reportedly said.

जी–इन्वेस्को युद्ध जारी

जी–इन्वेस्को के बीच लड़ाई जारी है और दोनो पक्ष शिकंजा कसने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के एक घटनाक्रम में जेडईईएल के एमडी व सीईओ पुनीत गोयनका ने आरोप लगाया कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की मीडिया संस्थाओं और जेडईईएल के बीच विलय का सौदा कंपनी के शेयरधारकों के हित में नहीं था। उन्होंने सवाल किया कि 'इन्वेस्को ने पहले अपनी योजनाओं को सार्वजनिक क्यों नहीं किया? क्या अच्छा कॉर्पोरेट प्रशासन केवल कॉरपोरेट्स पर लागू होता है, उनके संस्थागत निवेशकों पर नहीं।'

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एक बयान जारी करके कहा है कि उसे दोनों कंपनियों के बीच बोर्डरूम की लड़ाई में बेवजह खींचा गया है। कंपनी ने यह भी कहा कि उसकी मीडिया संपत्तियों और जेडईईएल के बीच विलय सौदा जेडईईएल के प्रमोटरों और इन्वेस्को के बीच मतभेद के कारण आगे नहीं बढ़ सका।

कंपनी ने कहा कि उसने जी और उसकी सभी संपत्तियों के उचित मूल्यांकन पर जी के साथ अपनी मीडिया संपत्तियों के विलय के लिए एक व्यापक प्रस्ताव रखा था। बयान में यह भी बताया गया कि 'जी और हमारी संपत्तियों का मूल्यांकन समान मापदंडों के आधार पर किया गया था। प्रस्ताव में सभी विलय वाली संस्थाओं की ताकत का उपयोग करने की मांग की गयी है और जी के शेयरधारको सहित सभी के लिए पर्याप्त मूल्य बनाने में मदद मिलेगी।'

प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इनगवर्न के संस्थापक व एमडी श्रीराम सुब्रमण्यम ने कथित तौर पर कहा है कि 'जी के खिलाफ अपनी लड़ाई में अब तक इन्वेस्को की कार्रवाई शेयरधारक सक्रियता की आड़ में अधिग्रहण की लड़ाई लगती है।'

श्री सुब्रमण्यम ने कथित तौर पर कहा था कि 'रिलायंस समूह की संस्थाओं को अपने प्रस्ताव के साथ सीधे जी बोर्ड के साथ संपर्क करना चाहिए था और यह आश्चर्यजनक है कि इन्वेस्को चर्चा का नेतृत्व कर रहा है।'

उन्होंने कथित तौर पर कहा कि 'एक वैकल्पिक योजना के बिना पुनीत गोयनका को हटाने पर इन्वेस्को की जिद सभी के लिए चौंकाने वाली थी। यह इन्वेस्को के अदालत में कहने के बावजूद कि वे जी–सोनी सौदे के खिलाफ नहीं है जिसकी शर्तें सार्वजनिक डोमेन में थीं।'

Subramanian further said, "If Invesco has all along been playing matchmaker, they should have disclosed it at the time of the EGM requisition."

Justin Leverenz, chief investment officer of Invesco Developing Markets Equities, had said that Zee's potential does not stop at it being a well-governed stand-alone entity, and that it has welcomed the announcement of the non-binding term sheet reflecting Sony's interest in a strategic alignment with Zee. "We need more information to properly evaluate a strategic combination between Zee and Sony".

In another setback to Invesco The Bombay High Court on Tuesday granted an interim injunction against Zee Entertainment Enterprise Ltd's (ZEEL) largest shareholder Invesco, restraining the latter from going ahead with the requisition of an extraordinary general meeting (EGM) seeking removal of the ZEEL MD and CEO Punit Goenka. ■

श्री सुब्रमण्यन ने आगे कहा कि 'अगर इन्वेस्को हमेशा से मैचमेकर की भूमिका निभाता रहा है तो उन्हें ईजीएम की आवश्यकता के समय इसका खुलासा करना चाहिए था।'

इन्वेस्को डेवलपिंग मार्केट्स इक्विटीज के मुख्य निवेश अधिकारी जस्टिन लीवरेंज ने कहा था कि जी की क्षमता एक अच्छी तरह से शासित स्टैंड अलोन इकाई होने पर नहीं रूकती है और इसने जी के साथ रणनीतिक जुड़ाव में सोनी की रूचि को दर्शाते हुए गैर बाध्यकारी टर्मशीट की घोषणा का स्वागत किया है। हमें जी और सोनी के बीच एक रणनीतिक संयोजन का ठीक से मूल्यांकन करने के लिए अधिक जानकारी की आवश्यकता है।'

इस बीच इन्वेस्को को एक और झटका देते हुए बंबई उच्च न्यायालय ने जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईएल) के सबसे बड़े शेयरधारक इन्वेस्को के खिलाफ एक अंतरिम निषेधाज्ञा दी, जिसमें जी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईएल) के सबसे बड़े शेयरधारक इन्वेस्को को जीईएल एमडी और सीईओ पुनीत गोयनका को हटाने की मांग करने वाली एक असाधारण आम बैठक (ईजीएम) की आवश्यकता के साथ आगे बढ़ने से रोक दिया गया था। ■

INDIA'S MOST RESPECTED TRADE MAGAZINE FOR THE CABLE TV, BROADBAND, IPTV & SATELLITE INDUSTRY

SATELLITE & Cable Tv

... You Know What You Are Doing
But Nobody Else Does

ADVERTISE NOW !

Contact: Mob.: +91-7021850198 Email: scat.sales@nm-india.com